असम वन विभाग के अग्र पंक्ति के कार्मिकों (Assam Forest Front Line Staff) के दल का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण

(दिनांक 8/12/2016)

असम वन विभाग के अग्र पंक्ति के कार्मिकों वनपाल-I एवं वन रक्षक (Assam Forest Front Line Staff, Forester I and Guards) के 28 सदस्यीय दल , जिसमें दो क्षेत्रीय वन अधिकारी (Forest Rangers) एवं सात महिला स्टाफ भी सम्मलित थे, ने दिनांक 8/12/2016 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया।

भ्रमणकारी दल को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक श्री एन.के.वासु, भा.व.से. ने बताया कि वन में कार्य करने के लिए उसका इतिहास जानना जरूरी है, हम कहाँ थे, कहाँ पहुँच गए, जो भी वन बचे है, उनका संरक्षण करना है, इसके लिए अनुसंधान संस्थान क्या कर सकते है, इन बातों पर ध्यान देना है। उन्होंने बताया कि अनुसंधान संस्थान आपको मॉडल दे सकता है। श्री वासु से अपने प्रेरणादायी सम्बोधन में वन कार्मिकों से आहवान किया कि वे वनों को इनके पारिस्थितिक निकाय में दृष्टिगत रखें, सभी तरह के क्षेत्र महत्वपूर्ण है, घास भी वनों का अंग है, अतः हमें वनों को समग्रता में देखना होगा। उन्होंने असम के वनों के बारे में भी बताया। कहा कि यहाँ राजस्थान में परिस्थितियाँ काफी कठिन है पर वृक्षारोपण का काफी कार्य किया गया है। प्रश्नोत्तर के माध्यम से दल के सदस्यों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया गया।

संस्थान के समूह समन्वयक (शोध) , डॉ. टी.एस.राठौड़ ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान कि शोध गतिविधियों, तकनीक एवं उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा भ्रमणकारी दल को प्रस्तुत किया।

इसके बाद भ्रमणकारी दल ने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण कर विभिन्न शोध गतिविधियों का अवलोकन किया। इस भ्रमण के दौरान विभिन्न शोधकर्ताओं ने अलग अलग शोध कार्यों की जानकारी भ्रमणकारी दल को उपलब्ध करायी।

तत्पश्चात भ्रमणकारी दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर विभिन्न प्रकार के पोस्टरों के माध्यम से प्रदर्शित शोध संबंधी सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया। यहाँ श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. ने अवक्रमित पहाड़ियों का पुनःस्थापन (Restoration of degraded hills), टिब्बा स्थिरीकरण (Sand Dune Stabilization), जल प्लावित भूमि का पुनःस्थापन (Restoration of Water Logged Areas), कृषि वानिकी इत्यादि विषयों से संबन्धित जानकारी भ्रमणकारी दल को उपलब्ध करायी। श्री चौधरी ने अपने संभाषण में पेड़ों से होने वाले प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभों की जानकारी कराते हुए वनों की महत्ता बताई तथा पॉलीथीन से होने वाले दुष्प्रभावों का भी जिक्र किया।

भ्रमण कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. ने किया। भ्रमण कार्यक्रम में श्रीमती मीता सिंह तोमर, तकनीकी सहायक एवं श्री तेजाराम का सहयोग रहा ।

RIODRAINAGE

विस्तार एवं शिक्षण केन्द्र